



Shrimati Jyotsna

30 Dec 1970

04:00 AM

Pithoragarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120921108

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 29-30/12/1970
दिन _____: मंगल-बुधवार
जन्म समय _____: 04:00:00 घंटे
इष्ट _____: 52:21:43 घटी
स्थान _____: Pithoragarh
राज्य _____: Uttarakhand
देश _____: India

अक्षांश _____: 29:35:00 उत्तर
रेखांश _____: 80:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:09:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 03:50:48 घंटे
वेलान्तर _____: -00:01:50 घंटे
साम्पातिक काल _____: 10:22:38 घंटे
सूर्योदय _____: 07:03:18 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:18:52 घंटे
दिनमान _____: 10:15:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 14:21:21 धनु
लग्न के अंश _____: 03:00:17 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी _____: मकर - शनि
नक्षत्र-चरण _____: उत्तराषाढा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: सूर्य
योग _____: व्याघात
करण _____: कौलव
गण _____: मनुष्य
योनि _____: नकुल
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: सिंह
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मकर

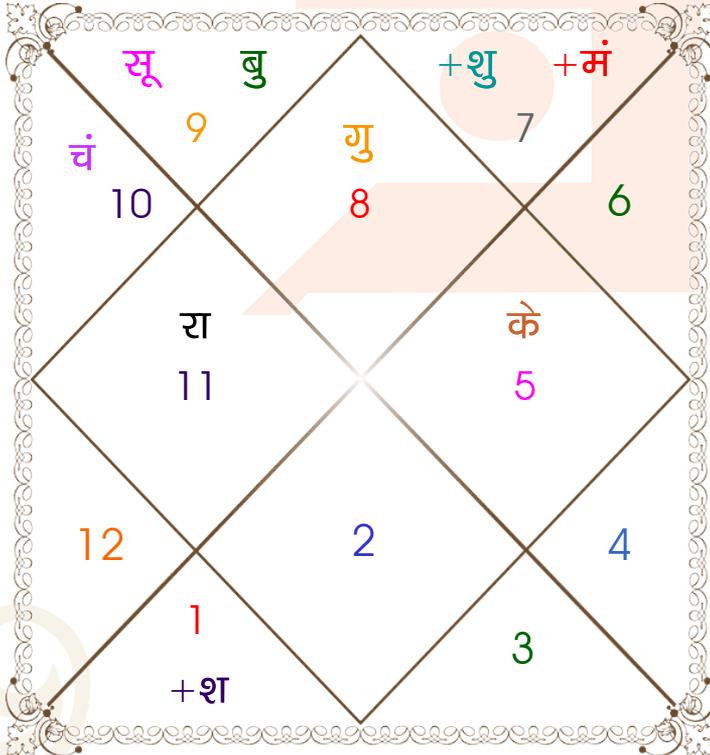
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	03:00:17	305:17:27	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			धनु	14:21:21	01:01:11	पूर्वाषाढा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	04:12:06	14:26:25	उत्तराषाढा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
मंगल			तुला	21:17:53	00:38:02	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध	व	अ	धनु	11:08:05	01:20:16	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
गुरु			वृश्चि	03:44:03	00:11:33	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
शुक्र			तुला	29:40:26	00:47:35	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	स्वराशि
शनि	व		मेष	22:33:49	00:02:03	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कुंभ	00:58:48	00:03:51	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	00:58:48	00:03:51	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			कन्या	19:56:03	00:01:05	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	---
नेप			वृश्चि	08:28:25	00:01:55	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			कन्या	06:15:02	00:00:06	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			सिंह	10:17:59	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शनि	--

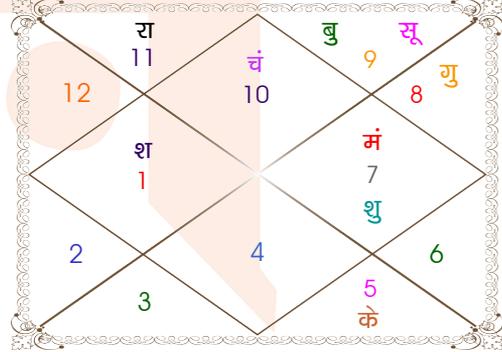
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:27:17

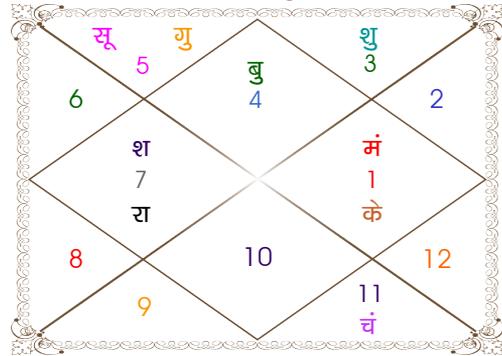
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 7 मास 9 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
30/12/1970	09/08/1973	09/08/1983	09/08/1990	08/08/2008
09/08/1973	09/08/1983	09/08/1990	08/08/2008	08/08/2024
00/00/0000	चंद्र 09/06/1974	मंगल 05/01/1984	राहु 21/04/1993	गुरु 27/09/2010
00/00/0000	मंगल 08/01/1975	राहु 23/01/1985	गुरु 15/09/1995	शनि 09/04/2013
00/00/0000	राहु 09/07/1976	गुरु 30/12/1985	शनि 22/07/1998	बुध 16/07/2015
00/00/0000	गुरु 08/11/1977	शनि 08/02/1987	बुध 07/02/2001	केतु 21/06/2016
30/12/1970	शनि 09/06/1979	बुध 05/02/1988	केतु 26/02/2002	शुक्र 20/02/2019
शनि 28/05/1971	बुध 08/11/1980	केतु 03/07/1988	शुक्र 25/02/2005	सूर्य 09/12/2019
बुध 03/04/1972	केतु 09/06/1981	शुक्र 02/09/1989	सूर्य 20/01/2006	चंद्र 09/04/2021
केतु 08/08/1972	शुक्र 08/02/1983	सूर्य 08/01/1990	चंद्र 22/07/2007	मंगल 16/03/2022
शुक्र 09/08/1973	सूर्य 09/08/1983	चंद्र 09/08/1990	मंगल 08/08/2008	राहु 08/08/2024

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
08/08/2024	09/08/2043	08/08/2060	09/08/2067	09/08/2087
09/08/2043	08/08/2060	09/08/2067	09/08/2087	00/00/0000
शनि 12/08/2027	बुध 05/01/2046	केतु 05/01/2061	शुक्र 09/12/2070	सूर्य 27/11/2087
बुध 21/04/2030	केतु 02/01/2047	शुक्र 07/03/2062	सूर्य 09/12/2071	चंद्र 27/05/2088
केतु 31/05/2031	शुक्र 02/11/2049	सूर्य 13/07/2062	चंद्र 09/08/2073	मंगल 02/10/2088
शुक्र 31/07/2034	सूर्य 08/09/2050	चंद्र 11/02/2063	मंगल 09/10/2074	राहु 27/08/2089
सूर्य 13/07/2035	चंद्र 08/02/2052	मंगल 10/07/2063	राहु 09/10/2077	गुरु 15/06/2090
चंद्र 10/02/2037	मंगल 04/02/2053	राहु 27/07/2064	गुरु 09/06/2080	शनि 30/12/2090
मंगल 22/03/2038	राहु 24/08/2055	गुरु 03/07/2065	शनि 09/08/2083	00/00/0000
राहु 26/01/2041	गुरु 29/11/2057	शनि 12/08/2066	बुध 09/06/2086	00/00/0000
गुरु 09/08/2043	शनि 08/08/2060	बुध 09/08/2067	केतु 09/08/2087	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 7 मा 8 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृत्ति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृत्ति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृत्ति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृत्ति जैसा व्यवहार करना चाहते हैं। आपकी इस प्रकार की प्रवृत्ति रही अर्थात् इस प्रवृत्ति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढाँचे के होते हैं। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृत्ति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।